अफगान सेना–तालिबान में 3 शहरों पर कब्जा करने के लिए भीषण जंग

अफगान सेना ने हेरात में बड़ी संख्या में कमांडो तैनात किए

जंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हेरात। दक्षिणी और पश्चिमी अफगानिस्तान में तीन प्रांतों में तालिबान और अफगान सेना के बीच भीषण जंग शुरू हो गई है। तालिबान देश के तीन बड़े शहरों पर कब्जा करना चाहता है और इसी वजह से उसने जोरदार हमले शुरू किए हैं। पाकिस्तान से आए जिहादी आतंकी उसकी इस काम में मदद कर रहे हैं। अफगान सेना ने तालिबान को करारा जवाब देने के लिए हेरात शहर में बड़ी संख्या में कमांडो तैनात किए हैं।

वहीं देश के दक्षिण में स्थित हेलमंद प्रांत की राजधानी लश्कर गाह में तालिबान के घातक हमलों के बाद और ज्यादा सैनिकों की मांग की गई है। तालिबान ने देश के दूसरे सबसे बड़े शहर कंधार को भी निशाना बनाया है और वहां से विमानों की उड़ान को रोक दिया गया है। तालिबान ने रविवार को कंधार एयरपोर्ट पर रॉकेट हमला किया था। समाचार एजेंसी डीपीए के मुताबिक देश के ज्यादातर शहरों में अब विमानों के उड़ान को रोक दिया गया है।

अफगान सुरक्षा बल अब हवाई हमलों पर ज्यादा जोर दे रहेः अफगानिस्तान में हवाई सेवा का जल्द से जल्द शुरू हो जाना जरूरी है क्योंकि इसके जरिए ही सैन्य मदद भेजी जा रही है। इस बीच तालिबान ने कंधार, हेरात और लश्कर गाह शहर को चारों ओर से घेर रखा है। एएफपी न्यूज एजेंसी ने हेलमंद प्रांत के प्रमुख अताउल्ला अफगान ने कहा, शहर के अंदर जंग जारी है। हमने विशेष सुरक्षा बलों को तैनात करने की मांग की है। अफगान सुरक्षा बल अब हवाई हमलों पर ज्यादा जोर दे रहे हैं ताकि आतंकियों को शहरों से पीछे ढकेला जा सके।

लश्कर गाह शहर के एक निवासी हलीम करीमी ने कहा, शहर बहुत ही बुरे हाल में है। मैं नहीं जानता हूं कि क्या होगा। इस शहर की आबादी करीब दो लाख है। उन्होंने कहा कि न तो तालिबान हम पर दया दिखाएंगे और न ही अफगान सरकार बमबारी बंद करेगी। उधर, पश्चिमी हेरात शहर के बाहरी इलाके में भीषण जंग जारी है। अफगान सेना ने तालिबान के ठिकानों पर रात में बमबारी की है। हेरात के गवर्नर के प्रवक्ता ने बताया कि 100 से ज्यादा तालिबान आतंकी मारे गए हैं।

अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी ने तालिबान की आलोचना कीः तालिबान और अफगान सरकार दोनों ही आतंकियों की संख्या को बहुत बढ़ाचढ़ाकर पेश कर रहे हैं। रविवार को अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि सैकड़ों कमांडो को हेरात शहर को बचाने के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि ये सैनिक तालिबान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई करेंगे। इस बीच अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी ने तालिबान की आलोचना की है और कहा कि उसकी शांति की कोई मंशा नहीं है।

न्यूज डायरी

अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता लाने की कोशिश करेगा भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयार्क। अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता लाना भारत की पहली प्राथमिकता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत के अध्यक्ष पद संभालने के पहले दिन स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने प्राथमिकता बताते हुए यह बात कही। तिरुमूर्ति ने अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लगातार हिंसा बढ़ रही है। नागरिकों विशेषकर महिलाओं, लड़कियों और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। इस मौके पर विशेष साक्षात्कार में तिरुमूर्ति ने अफगानिस्तान की नीति के संबंध में बात की। उन्होंने कहा कि हम इस महीने अफगानिस्तान की स्थिति का जायजा लेंगे। यहां सुरक्षा परिषद की सक्रियता को किसी भी रूप में कम नहीं होने देंगे। अध्यक्ष पद पर रहकर हम उन सभी सदस्यों की पहल का समर्थन करेंगे, जो अफगानिस्तान में शांति लाने के प्रयास कर रहे हैं या वहां स्थिरता ला सकते हैं।

तालिबान में शामिल हो रहे पाकिस्तानी जिहादी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अमेरिका, पाकिस्तान और अफगान नेता आने वाले समय में अफगानिस्तान के अंदर गृहयुद्ध की चेतावनी दे रहे हैं लेकिन कई पाकिस्तानी जिहादी पहले ही अफगानिस्तान पहुंच चुके हैं। उनमें से कई तो लाशों के रूप में लौटे हैं। अफगानिस्तान से अमेरिका और नाटो सेनाओं की वापसी के बाद तालिबान ने अपना खूनी अभियान तेज कर दिया है। तालिबान की मदद के लिए पाकिस्तानी मदरसों से बड़ी संख्या में छात्र आतंकियों के साथ जुड़ने के लिए पहुंच गए हैं। इन मदरसा छात्रों के संरक्षकों ने इस युद्ध को जिहाद करार दिया है। यही नहीं पूरे पाकिस्तान में मौलवी समर्थन जुटा रहे हैं। कई तो ऐसे भी हैं जो तालिबान के लिए चंदा जमा कर रहे हैं। पाकिस्तान सरकार ने इस बात का खंडन किया है कि उसके देश से जिहादी अफगानिस्तान गए हैं लेकिन चमन–स्पिन बोल्डाक और तोर्खूम सीमा से बड़ी संख्या में पाकिस्तानी आतंकियों के शव वापस लौट रहे हैं।

अमेरिका में मिला डायनासोर से भी पुराना अजीबोगरीब जानवर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। पिछले कुछ दिनों में आपने सोशल मीडिया पर एक अजीबोगरीब कीड़े जैसे जीव की तस्वीरें देखी होंगी। तस्वीर में नजर आने वाला जीव कोई रबड़ का खिलौना नहीं है। यह एक उभयचर जीव है जो हाल ही में साउथ फ्लोरिडा की तामियामी नहर में खोजा गया था। जमीन और पानी दोनों जगहों पर रहने वाले इस जानवर की खोज फ्लोरिडा फिश एंड वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन कमीशन ने की है। मियामी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एक मील दक्षिण में पाए गए इस जानवर की पहचान करने में वैज्ञानिकों को काफी समय लगा। इसे श्सीसिलियनश के रूप में जाना जाता है। डीएनए की जांच के बाद इसका पता चला। इसे टाइफ्लोनेक्टेस नटान के रूप में भी जाना जाता है जो डायनासोर से भी पहले पाए जाते थे। सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया कि वैज्ञानिकों ने जानवर की पहचान करने के लिए डीएनए जांच का इस्तेमाल किया।

एलन मस्क का एक साल का बेटा भी कर रहा है स्पेस जाने की तैयारी?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। टेस्ला के सीईओ, स्पेसएक्स के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शामिल एलन मस्क सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं। हाल ही में उन्होंने ट्विटर पर एक फोटो शेयर की, जिसमें वो अपने बेटे के साथ स्टारबेस पर नजर आ रहे हैं। ये फोटो इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रही है। एलन मस्क का बेटा X Æ A–12 अब एक साल को हो चुका है। उसका जन्म 4 मई 2020 को हुआ था। तब लोगों ने अनुमान लगाया था कि X Æ A–12 की दिलचस्पी भी अपने पिता की तरह अंतरिक्ष में होगी। जन्म के बाद अपने बेटे के साथ पहली तस्वीर शेयर करते हुए एलन मस्क ने बच्चे के चेहरे पर स्नैपचैट फिल्टर का इस्तेमाल किया था।

पाकिस्तान में मिला आतंकवादी मसूद अजहर का ठिकाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। आतंकवाद को लेकर एक बार फिर पाकिस्तान बेनकाब हुआ है। एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बचने की लगातार कोशिश में जुटे पाक की एक बार फिर से पोल खुल गई है। दुनिया की आंख में धूल झोंक रहे पाकिस्तान की कलई खुल गई है। पाकिस्तान आतंकवादी संगठन जैश–ए–मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर पाकिस्तान में ही छिपा है। रिपोर्ट के मुताबिक मसूद अजहर पाकिस्तान के बहावलपुर में रहता है, जिसकी सुरक्षा में पाकिस्तान के सुरक्षाबल तैनात रहते हैं। इससे एक बार फिर से यह सिद्ध हो गया है कि पाकिस्तान आतंकवाद का पनाहगाह है।

आतंकवादियों के लिए पाकिस्तान की धरती स्वर्ग बनी हुई है। इस खुलासे के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पाकिस्तान के एफएटीएफ से बाहर निकलने की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। दुनिया के सामने अब यह सिद्ध हो गया है कि पाकिस्तान आतंकवाद पर कार्रवाई करने के बजाए उसका पालन पोषण करता है। उसने अंतरराष्ट्रीय आतंकी अजहर को अपने ही घर में छिपा रखा है। पाकिस्तान कई बार एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से बाहर निकलने की कोशिश में जुटा है।

तालिबान से अपने गठजोड़ की बात सुन बौखलाया पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के मुद्दे पर पाकिस्तान लगातार विभिन्न देशों और नेताओं के निशाने पर आ रहा है। दरअसल इन नेताओं और देशों का कहना है कि अफगानिस्तान की बदहाली का कारण बनने वाले तालिबान से पाकिस्तान के लंबे और मजबूत रिश्ते हैं। इस बात को अफगानिस्तान के मौजूदा और पूर्व राष्ट्रपति ने भी कहा है और अमेरिका के पूर्व एनएसए ने भी यही बात की है। पाकिस्तान के अमेरिका में पूर्व राजदूत तक अफगानिस्तान में पाकिस्तान की करतूतों को उजागर कर चुके हैं। अब यही बात कनाडा के पूर्व मंत्री क्रिस एलेक्जेंडर ने कही है। इस बयान के सामने आने के बाद से ही पाकिस्तान बौखलाया हुआ है।

अफगानिस्तान को नहीं रहा पाकिस्तान पर भरोसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। चीन के बाद अब अफगानिस्तान को भी पाकिस्तानी जांच पर भरोसा नहीं रहा है। अफगानिस्तान ने अपने राजदूत नजीबुल्लाह अलीखिल की बेटी सिलसिला के अपहरण की जांच के लिए एक दल पाकिस्तान भेजा है। पाकिस्तान के बड़बोले गृहमंत्री शेख रशीद ने खुद इसकी पुष्टि की है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान ने अफगान राजदूत की बेटी के अपहरण की जांच पूरी कर ली है। इससे पहले उन्होंने दावा किया था कि राजदूत की बेटी का अपहरण हुआ ही नहीं था और इस पूरे मामले को भारत की साजिश करार दिया था।

शेख रशीद ने अफगान जांच टीम आने की पुष्टि की

शेख रशीद ने कहा कि पाकिस्तान अफगान जांच दल को अपनी जांच से अवगत कराएगा। उन्होंने कहा, अगर अफगान दल चाहता है तो वह टैक्सी ड्राइवरों के साथ मुलाकात कर सकता है जिनकी टैक्सी में सिलसिला गई थीं। बताया जा रहा है कि 4 सदस्यीय अफगान जांच दल रविवार को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचा है।

भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ कर रही साजिशः इससे पहले राजधानी इस्लामाबाद से अफगान राजदूत नजीबुल्लाह अलीखिल की बेटी सिलसिला का अपहरण रोकने में नाकाम रही इमरान खान सरकार ने इस पूरे मामले को फर्जी करार दिया था। पाकिस्तान के गृहमंत्री शेख रशीद ने तो यहां तक दावा कर दिया था कि पाकिस्तान को बदनाम करने के लिए यह अंतरराष्ट्रीय रैकेट है। इसका नेतृत्व भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ कर रही है।

पाकिस्तानी गृहमंत्री शेख रशीद का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अफगानिस्तान ने अपने सभी वरिष्ठ राजनयिकों को इस्लामाबाद से वापस बुलाने का फैसला किया है। अफगान राजदूत की बेटी सिलसिला का शुक्रवार को इस्लामाबाद के एक बाजार से अपहरण कर लिया गया था। सिलसिला को काफी चोटें आई थीं और उनकी हड्डियां टूट गई थीं।

क्या हो अगर अंतरिक्ष में खुल जाए शहद का डिब्बा? एस्ट्रोनॉट ने दिया जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा। कई बार वीडियो में आपने देखा होगा कि स्पेस की जीरो ग्रेविटी में चीजें हवा में उड़ती नजर आती हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो हैं जिनमें आप देख सकते हैं कि अंतरिक्ष में अगर पानी से भरी बोतल को खोला जाए तो क्या होगा। हालांकि अंतरिक्ष में सभी ठोस और तरल एक समान व्यवहार नहीं करते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि अगर अंतरिक्ष में शहद का कंटेनर खोल दिया जाए तो क्या होगा?

एक एस्ट्रोनॉट ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें दिखाया गया है कि जीरो ग्रेविटी में शहद कैसे व्यहार करता है। इस क्लिप को कनाडा की अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री डेविड सेंट–जैक्स ने ऑनलाइन पोस्ट किया था। वीडियो में डेविड शहद के कंटेनर का ढक्कन खोलने से पहले कहते हैं, आज मैं आपको जीरो ग्रेविटी में शहद का अजीब व्यवहार दिखाऊंगा। जब ढक्कन खुला और कंटेनर से दूर गया तो शहद ढक्कन के साथ खिंचने लगा लेकिन टूटा नहीं।